

महिंद्रा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन केशब महिंद्रा का निधन: 1963 से 2012 तक संभाली ग्रुप की कमान, 99 साल के थे

नई दिल्ली।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के पूर्व चेयरमैन केशब महिंद्रा का निधन हो गया है। 199 साल के बीच महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन रहे। केशब महिंद्रा साल 2012 में रिटायर हुए, जिसके बाद उनके भतीजे आनंद महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के एमिरेट्स चेयरमैन थे। उन्होंने महिंद्रा एंड महिंद्रा में अपनी शुरुआत साल 1947 में की थी।

देश के सबसे बुजुर्ग बिलेनेयर थे केशब महिंद्रा।

आनंद महिंद्रा के बाचा केशब महिंद्रा 1.2 बिलियन

डॉलर की संपत्ति के साथ देश के सबसे उम्रदराज भारतीय अखण्डपत्रियों की जारी लिस्ट में ये जानकारी दी। इससे पहले साल 2007 में उन्हें अनंट-एंड यंग की ओर से लाइफटाइम एमिरेट्स के बाद कंपनी को प्राप्त ही मिला था।

अमेरिका से की पढ़ाई

केशब महिंद्रा ने अमेरिका को पेनिस्लिवेनिया यूनिवर्सिटी से ब्रेयर्जून पूरा करने के बाद 1947 में महिंद्रा कंपनी जांची गई। लंबे समय तक काम करने के बाद 1963 में उन्हें इस ग्रुप के चेयरमैन बनाया गया। अगस्त 2012 तक वो इस पद पर रहे।

देश का बंदरवारा होते ही गुलाम मोहम्मद ने कंपनी को नहीं, बल्कि पाकिस्तान को चुना। वो पाकिस्तान चले गए और उन्हें वहाँ का पहला वित्त मंत्री चुना गया। आगे चलकर 1951 में यही गुलाम मोहम्मद पाकिस्तान के गवर्नर ने भी बने इड गुलाम के चले जाने के बाद कंपनी के कांस्टेबल पर भी असर पड़ा।

आजादी से पहले शुरू हुई कंपनी

जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, उसी समय के सी.सी. महिंद्रा और मॉलिंग कुलाम मोहम्मद ने महिंद्रा एंड मोहम्मद नाम से कंपनी की शुरुआत की। 2 अक्टूबर 1945 को पंजाब के लुधियाना में एक स्टील ट्रेडिंग कंपनी के रूप में इसकी शुरुआत हुई। जे.सी. महिंद्रा नेहरू और गांधी के विचारों से काफी प्रभावित थे। यहाँ वह जहाँ सी थी कि कंपनी में गुलाम मोहम्मद की छोड़ी गयी थी, ऐसे में कंपनी का कुछ और नाम रखना नुकसान भरा हो सकता है। अत एं जे.सी. महिंद्रा ने बड़ी गति से कंपनी के टाइटल बरकरार रखते हुए इसका नाम महिंद्रा एंड मोहम्मद से बदलकर महिंद्रा एंड महिंद्रा कर दिया।

1 साल में 150 रुपए महंगा हुआ गैस सिलेंडर

दिल्ली में एक किलो दाल 103 से 128 रुपए पर पहुंची; 8 सामाजिकों की लिस्ट



आईएमएफ की गीता गोपीनाथ के साथ वित्त मंत्री की मीटिंग

महंगाई सहित कई मुद्दों पर चर्चा की, नासा के गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर का भी दौरा किया

वाराणसीगढ़न।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान इंडियानशन मनिटर फॅड की पहली डेयरी यैनेज़ डायरेक्टर को गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने अन्य प्रमुख मुद्दों के साथ-साथ डेट वर्लेविली पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने संकेती अखबार के अपने समकक्ष मोहम्मद अलजादान के साथ भी बैठक की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मैरी लैंड के ग्रीनबेल्ट में नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर का भी दौरा किया।

वित्त मंत्री ने आईएमएफ की मीटिंग तांत्रिकों को संजान ने दिल्ली

गोपीनाथ के साथ बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने फाइनेंशियल सेक्टर के दबाव, बढ़ी वास्तविक व्याज दरों, बढ़े के जू. महंगाई, जियो-पालिटिकल फ्रेंगमैट और साथीय अखबारों के डायरेक्टर को गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

वित्त मंत्री ने आईएमएफ की मीटिंग तांत्रिकों को संजान ने दिल्ली

गोपीनाथ के साथ बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने फाइनेंशियल सेक्टर के दबाव, बढ़ी वास्तविक व्याज दरों, बढ़े के जू. महंगाई, जियो-पालिटिकल फ्रेंगमैट और साथीय अखबारों के डायरेक्टर को गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।



चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर का दौरा किया

निर्मला सीतारामण ने नासा के गोडार्ड

जोर दिया गया।

गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर का दौरा किया

निर्मला सीतारामण ने नासा के गोडार्ड

स्पेस प्लाइट सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्हें गुलाम मोहम्मद के राजदूत तरजीत सिंह संधू भी थे। राजदूत संधू ने तत्वरों को ट्रॉपीट कर लिखा, हबल और जेस्ट बैट टेलोस्ट्रक पर किए जाने जाने वाले कामों के गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर में वित्त मंत्री प्रभावित थे। इसरो और नासा के बीच अंतर्रिक्ष सहयोग भारत-अमेरिका साझेदारी को गहरा करने का एक प्रमुख स्तर है।

12-13 अप्रैल को अरबी आई गवर्नर और सीतारामण जी.वी.वित्त मंत्रीओं और सेंट्रल बैंक के गवर्नर्स परिवर्तन के लिए जाने वाले कामों के गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण की डिमार्टेंट और इन्वार्मेंटिव यात्रा। इसरो और नासा के बीच अंतर्रिक्ष सहयोग भारत-अमेरिका साझेदारी को गहरा करने का एक प्रमुख स्तर है।

12-13 अप्रैल को अरबी आई गवर्नर और सीतारामण जी.वी.वित्त मंत्रीओं और सेंट्रल बैंक के गवर्नर्स परिवर्तन के लिए जाने वाले कामों के गोडार्ड स्पेस प्लाइट सेंटर के लिए जाएंगे।

वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट के दौरा किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में बढ़े वैश्विक ग्रेन संकट से प्रभावित होने वाले वित्त मंत्री और गवर्नर्स की वित्त मंत्री ने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ मिली। इस दौरान उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय एकाउंट पर गोपीनाथ के साथ दौरा किया।

चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने गुलाम मोहम्मद के मुद्दों

फैमिली के साथ बैठकर खाने से होते हैं ...

ये 5 बड़े पायदे

पुराने जमाने में परिवार का साथ बैठकर खाना ट्रेडिंगन था। न्यूरिलियर फैमिलीज बड़ी तो ये ट्रेडिंगन खाने होते गया। पेरेंट्स के काम करने का बकए बच्चों की पढ़ाई सारी चीजें गड़बड़ होते गई। लोकेन साथ साथ उनमें अच्छी आदतें डाल सकेंगी। 5 फैमिली बैल्यूजु के लिए जरूरी



खाल

रखेंगे कि वे हैल्दी पूछ ले रहे हैं कि नहीं। अंकले खाते हुए कुछ भी असंतुलित और गैर-जरूरी खाने जैहन में ब्याए गेटेव विचार चल रहे होते हैं। ऐसे में फैमिली कम्पनिकेशन जैसे ही खत्म होता है। तो वो गलत फैसलों की ओर बढ़ते हैं। साथ खाने से मुश्किल हालातों में भी कम्पनिकेशन बनता है। आज के इस दौर की बड़ी समस्या को सिर्फ़ ठिंक ट्रॉडरेश से दूर कर सकते हैं।

मुश्किल अकेलीए हल सामूहिक

टर्की में परिवार के साथ बैठकर खाना ट्रेडिंगन है। एस्सपॉस्स कहते हैं साथ खाने से परिवार बालों के बीच बालीत होती है। अकेली आई मुश्किलों के बारे में डिनर टेबल पर बात होती है और घर के सभी लोग मिलकर उसका कोई न कोई अच्छा साल्यून्शन निकल लेते हैं। इसमें परिवार आपके साथ होता है।

आजल बच्चे बहुत ज्यादा इंड्रोवर्ट और खोए रहने वाले हो रहे हैं। न जाए कब उसके जैहन में ब्याए गेटेव विचार चल रहे होते हैं। ऐसे में फैमिली कम्पनिकेशन जैसे ही खत्म होता है। तो वो गलत फैसलों की ओर बढ़ते हैं। साथ खाने से मुश्किल हालातों में भी कम्पनिकेशन बनता है। आज के इस दौर की बड़ी समस्या को सिर्फ़ ठिंक ट्रॉडरेश से दूर कर सकते हैं।

हेल्दी इंटिंग की आदत पड़ेगी

पेरेंट्स बच्चों के साथ में खाना खाएंगे तो

टेबल मैनर्स को जानेंगे बच्चे

कभी सोचा है क्यों हमें खाने, खाना बनाने, चलने, दौड़ने, लाइफ के सबक सीखने के लिए किसी स्कूल क्यों नहीं जाना पड़ता।



क्योंकि ये सब हम घर पर ही सीखते हैं। बड़े होकर बच्चे ऊंचे मुकाम पाएंगे लेकिन

डिनर टेबल पर ही सीखेंगे। बच्चों को इसके लिए फिरी पर्सेनेलिटी डिवेलपमेंट क्लास में भेजने की जरूरत नहीं होगी। साथ खाते हुए उनमें अच्छी आदतें डाल सकेंगी। 5 फैमिली बैल्यूजु के लिए जरूरी

फैमिली बैल्यूजु के लिए जरूरी

किशोर बच्चों में साथ खाने की आदत डालना इस दौर में तो बहुत जरूरी है। उनकी जिंदगी में अंगन या बालकों के लिए एक इंटरेक्टिव वाले दोस्तों की जगह है। फैमिली बैल्यूजु बनाने के लिए साथ खाना खाने पर जार है। उन्हें उनके रूम में खाना खाने की आदत न पड़ने दें। पेरेंट्स बच्चों का रिश्ता गहरा होता जाता है। एक दूसरे की लाइट और एक्सप्रेसिंग से सीखते हैं।

घर को डेकोर करने के लिए टेरेस गार्डन बेर्स्ट ऑप्शन

■ गार्डन की खुबसूरती बनाने के लिए आप कॉर्नर में एक छोटा फ्लवरा भी लगा सकते हैं।

■ शैर्पट बाइन, हनीसकल और कुकुम्बर कुछ इस तरह के पौधे हैं जिन्हें लगाकर आप अपने गार्डन की खुबसूरती और प्राइवेसी दोनों को ही बरकरार रख सकते हैं।

■ गार्डन में बैठक व्यवस्था को बैहत बनाने के लिए एक टेबल के दोनों ओर कम से कम 3 फीट का स्थान जरूर छोड़।

इन घरेलू उपायों से दूर करें किंचन की बदबू

घर की किंचन या युं कहे घर का खाना बैहद ही स्वादिष्ट होता है, जो आपको घर जगह तारीफ़ दिलाता है।

लेकिन खाना में प्रयोग किये गए मसाले जब किंचन में घर कर जाते हैं तो काफ़ा शमिंदगी भी होती है। खैर ये शमिंदगी नहीं होगी, लेकिन इसके लिए आपको रखना होगा कुछ बातों का ध्यान। तो आइये जानते हैं, कुछ आसान से उपाय जो तारीफ़ दिलाता है। एसे में सुगर रोप- सीधे बदबू तुरंत दूर भाग जाएंगे।



रख दें, बदबू तुरंत दूर भाग जाएगा।

सुगर रोप- सीधे फूट बनाने के बाद बदबू हाथों और किंचन, दोनों से आने लगती है। ऐसे में सुगर रोप से हाथों को धूल लें और किंचन के लिए उबलने दें। आपको खाना बनाने वाली जगह पर बैंकिंग सोडा छिक्क देना चाहिए, ताकि बदबू न भरे। इससे जलने की दुर्घ भी नहीं आती है। नींबू पानी- फिज में बदबू आने लगी हो या किंचन में, नींबू पानी से भरा कटोरा

रंतरे के छिलके का पानी - एक कटोरे में एक कप पानी ले और इसे धोने अंत पर गर्म कर। इस तरह जानते हैं कि बैंकिंग सोडा को बदबू भगाने में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको खाना बनाने वाली जगह पर बैंकिंग सोडा छिक्क देना चाहिए, ताकि बदबू न भरे। इससे जलने की दुर्घ भी नहीं आती है। नींबू पानी- फिज में बदबू आने लगी हो या किंचन में, नींबू पानी से भरा कटोरा

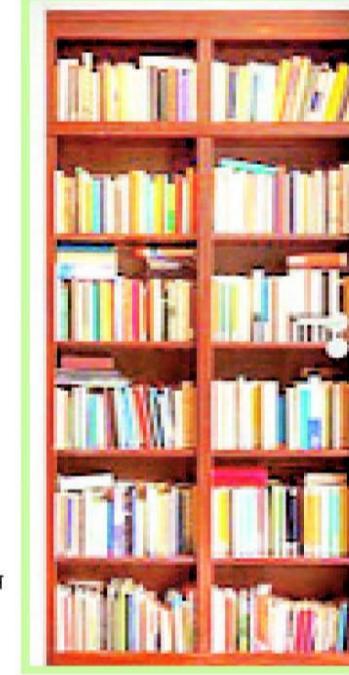
धुएंगी भाग्ये सिरका- सिरका के इस्तेमाल से किंचन की बदबू दूर भाग जाती है।

परंदीदा सुपर हीरो से

दरवाजे में अंदर की तरफ बुक शेल्फ

बच्चों को स्पाइडरमैन आदि सुपर कैरेटर्स का शीर्षों द्वारा तारीफ़ होता है। अब उनकी इस परंदद को कर्मरे में ज्यादा साजाएं।

जैसे कि बुड़न ब्लॉक्स पर स्पाइडरमैन और स्टारवॉर्स आदि के लोगों या उनसे जुड़ी किंसी चीज़ को बनाएं और फिर उन ब्लॉक्स को एक समिट्री की ओर बनाएं।



पेगबोर्ड का ऐसे भी कर सकते हैं उपयोग

आनेवालों को चौकाए देगी। दिन के बक्क भी लाइट को जलाने से कर्मरे का लुक बदला जा सकता है। यह आइडिया मास्टर बेडरूम में ज्यादा अच्छा दिखेगा। इस तरीके के सभी लिंगरेज रुम्हों हैं तो उस पर खाली बैल्यूजु के लिए एक बड़ी बुक्स लगाएं। इसके लिए एक बड़ी बुक्स लगाएं। जो किंचन के लिए जगह नहीं होती है। ऐसे में कर्मरे में लगे दरवाजे के इंटर्न-गिर्दबुक बनाकर सकते हैं, क्योंकि यह जगह अक्सर खाली रह जाती है। ऐसे कारने से किंचन की बदबू न भरे। इससे जलने की दुर्घ भी नहीं आती है। नींबू पानी- फिज में बदबू आने लगे।

...जब घर की रौनक बढ़ानी हो...



यिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के मौसम गर्मी में आपकी कार्यक्षमता पर तो बुरा असर पड़ता है, अपने ऊपर अधिक ध्यान देने की भी जरूरत होती है। गर्मी के इस मौसम में अगर अपने ऊपर पर्याप्त ध्यान न दिया जाए तो तरह-तरह की मुश्किलें सामने आ जाती हैं। शरीर से अत्यधिक मात्रा में पसीना निकलने से जहां डीहाइड्रेशन की समस्या परेशान करती है, वहीं गंदगी भी कई बीमारियों की वजह बनती है। ऐसे में खाने-पीने का खास खायल रखा जाए तो शरीर के कमजोर होने और बीमारी पास आने की आशंका काफ़ी कम हो जाती है।

यिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के मौसम गर्मी में आपकी कार्यक्षमता पर तो बुरा असर पड़ता है, अपने ऊपर अधिक ध्यान देने की भी जरूरत होती है। गर्मी के इस मौसम में अगर अपने ऊपर पर्याप्त ध्यान न दिया जाए तो तरह-तरह की मुश्किलें सामने आ जाती हैं। शरीर से अत्यधिक मात्रा में पसीना निकलने से जहां डीहाइड्रेशन होती है। इस मौसम में भी काफ़ी फायदेमंद साक्षी होती है। इसे दही में डाल कर सत्तू के रूप में भी खा सकते हैं। यह आपको इसे ऊपर लेने की जगह नहीं होती है। ऐसे में खाने की जगह बालों के लिए जगह नहीं होती है। इससे जलने की दुर्घ भी नहीं आती है। यह आपको इसे ऊपर लेने की जगह नहीं होती है। ऐसे में खाने की जगह बालों के लिए जगह नहीं होती है। इससे जलने की दुर्घ भी नहीं आती है। नींबू पानी- फिज में बदबू आने लगे।

चटनी बना कर खाने के साथ खाएं। यह आपके खाने का स्वाद भी बदलता है और और मौसम के अनुरूप ही है।

खाली पेट न निकलें

मौसम में आप लू की चेपेट में आ सकते हैं। इससे बनने के लिए सुबह बिना कुछ खाए घर से न निकलें।

बच्चों का इस खास खायल

बच्चों को इस मौसम में बदलने की समय रिचित रखें और

पानी का खतरा इस मौसम में बढ़ जाता है। ऐसे बनाने के लिए जगह नहीं होती है। इस मौसम में ज्यादा खाना बालों के लिए जगह नहीं होती है। इससे जलने की दुर्घ भी नहीं आती है। नींबू पानी- फिज में बदबू आने लगे।</